**प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2022-23**

**विषय- हिंदी (आधार)**

**कक्षा -12**

# अंक योजना

**निर्धारित समय -- 3 घंटे** **अधिकतम अंक—80**

**सामान्य निर्देश :-**

- **अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।**
- **खंड- अ में दिए गए वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाए**
- **खंड -ब में वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।**
- **यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ ।**
- **मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।**

| | | **खंड --अ वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर** | |
|---|---|---|---|
| **प्रश्न क्रम संख्या** | | **उत्तर** | **अंक विभाजन** |
| **प्रश्न 1.** | (i) | (क) परिवर्जन | 1 |
| | (ii) | (ख) पाने के लिए भरसक प्रयास किया हो | 1 |
| | (iii) | (ख) संध्यावेला | 1 |
| | (iv) | (क) विवशता और अभाव में जीने वाले | 1 |
| | (v) | (घ) असफलता का कारण ढूँढकर पुनः आगे बढ़ने का प्रयास करता है | 1 |
| | (vi) | (ख) निडर और निशंक जीने वाला | 1 |
| | (vii) | (ग) I और II | 1 |
| | (viii) | (ग) में प्रतिकूलता का अनुभव जीवनोपयोगी होता है। | 1 |
| | (ix) | (ग) जो पहले दुख झेलते हैं | 1 |
| | (x) | (क) कथन (A) तथा कारण(R) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है। | 1 |
| प्रश्न 2. | (i) | (ख) नीर, कनक, आवास और सुरक्षा | 1 |
| | (ii) | (ख) वह आज़ाद जीवन जीना पसंद करती है। | 1 |
| | (iii) | (क) भयावह स्थिति उत्पन्न करना | 1 |
| | (iv) | (घ) पिंजरे के पक्षी के माध्यम से स्वतंत्रता का महत्त्व बताना | 1 |
| | (v) | (ग) आज़ादी के समर्थक हैं | 1 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | | |
| | | **अथवा** | |
| | (i) | (घ) बड़प्पन की पहचान से | 1 |
| | (ii) | (क) केवल I | 1 |
| | (iii) | (क) मनुष्य के कर्म उसे प्रसिद्धि दिलाते हैं। | 1 |
| | (iv) | (ख) वस्त्र | 1 |
| | (v) | (ग) फल बनकर पशु-पक्षियों और मनुष्यों का पेट भरता है | 1 |
| प्रश्न 3. | (i) | (क) तारतम्यता | 1 |
| | (ii) | (ग) एंकर पैकेज | 1 |
| | (iii) | (क) क्या, कौन, कहाँ, कब, क्यों, कैसे | 1 |
| | (iv) | (ख) (i)-(ii), (ii)-(iv), (iii)-(i), (iv)-(iii) | 1 |
| | (v) | (ख) गिद्ध-दृष्टि और पक्का इरादा | 1 |
| प्रश्न 4. | (i) | (ख) निर्मलता का | 1 |
| | (ii) | (ख) गौरवर्णीय सुंदरी जैसा | 1 |
| | (iii) | (ग) शब्दचित्र | 1 |
| | (iv) | (क) बहुत नीला शंख जैसे उपमा अलंकार | 1 |
| | (v) | (ग) सफ़ेद व नीले वर्णों का अद्भुत मिश्रण है। | 1 |
| प्रश्न 5. | (i) | (ख) सूक्ष्म और संपूर्ण | 1 |
| | (ii) | (घ) तटस्थता | 1 |
| | (iii) | (क) निरंतरता | 1 |
| | (iv) | (घ) कथन (A) सही है लेकिन कारण(R) उसकी गलत व्याख्या करता है। | 1 |
| | (v) | (घ) I और III | 1 |
| प्रश्न 6. | (i) | (ग) पीढ़ी अंतराल | 1 |
| | (ii) | (ग) किशन दा की मृत्यु के संदर्भ में | 1 |
| | (iii) | (ग) गुड़ की ज्यादा कीमत के लिए | 1 |
| | (iv) | (ग) मराठी | 1 |
| | (v) | (ग) जंगली सूअर के समान | 1 |
| | (vi) | (घ) सिंधु घाटी की सभ्यता में राजतंत्र स्थापित नहीं था। | 1 |
| | (vii) | (घ) I,II और IV | 1 |
| | (viii) | (ग) पुरातत्त्ववेत्ता | 1 |
| | (ix) | (घ) संघर्षमयी प्रवृत्ति | 1 |
| | (x) | (ख) यशोधर बाबू का अपना परिवार था, जिसे वे नाराज नहीं करना चाहते थे। | 1 |
| | | खंड 'ब' -(वर्णनात्मक प्रश्न) | |
| प्रश्न 7. | | **किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख** | (6x1=6) |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | लिखिए:- आरंभ –1 अंक<br>विषयवस्तु --3 अंक<br>प्रस्तुति -- 1 अंक<br>भाषा -- 1 अंक | |
| प्रश्न 8. | (क) | नाट्य रूपांतरण की चुनौतियां :-<br>• पात्रों के मनोभावों की<br>• मानसिक द्वंद्व के दृश्यों की<br>• पात्रों की सोच के प्रस्तुतीकरण की<br>उदाहरण के लिए ईदगाह कहानी का वह हिस्सा जहाँ हामिद इस द्वंद में है कि क्या खरीदे, क्या ना खरीदे | (3×2=6) |
| | (ख) | रेडियो नाटक में ध्वनि संकेतों की महत्ता<br>• मंच नाटक लेखन, फ़िल्म की पटकथा और रेडियो नाटक लेखन में काफी समानता<br>• रेडियो में ध्वनि प्रभावों व संवादों के ज़रिये ही दृश्य का माहौल पैदा किया जाना<br>• इसलिए संवाद व ध्वनि सबसे महत्वपूर्ण होना<br>• दृश्य की जगह कट/हिस्सा लिखा जाना<br>• दृश्यों को ध्वनि -संकेतों से दिखाया जाना | |
| | (ग) | रटंत का अर्थ है-दूसरों के द्वारा तैयार सामग्री को याद करके ज्यों- का-त्यों प्रस्तुत कर देने की आदत।<br>लत कहे जाने के कारण-<br>• असली अभ्यास का मौका ना मिलना<br>• भावों की मौलिकता समाप्त हो जाना<br>• चिंतन-शक्ति क्षीण होना<br>• सोचने की क्षमता में कमी होना<br>• दूसरों के लिखे पर आश्रित होना<br>अप्रत्याशित विषयों पर लेखन द्वारा इस लत से बचा जा सकता है क्योंकि इससे अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित होती है । नए विषयों पर विचार अभिव्यक्ति से मानसिक और आत्मिक विकास होता है। | |
| प्रश्न 9. | (क) | समाचार लेखन की एक विशेष शैली का नाम 'उलटा पिरामिड शैली' है, जिसमें क्लाइमैक्स बिल्कुल आखिर में आता है। इसे उल्टा पिरामिड इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसमें सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य या सूचना सबसे पहले दी जाती है और तत्पश्चात उससे कम महत्त्वपूर्ण और फिर सबसे कम महत्त्वपूर्ण समाचार लिए जाते हैं। इसमें इंट्रो, बॉडी और समापन समाचार प्रस्तुति के तीन चरण होते हैं। | (4×2=8) |
| | (ख) | • बीट रिपोर्टर को संवाददाता और विशेषीकृत रिपोर्टर को विशेष संवाददाता कहते हैं।<br>• बीट रिपोर्टर को अपने क्षेत्र की जानकारी और उसमें दिलचस्पी होना ही पर्याप्त है। उसे केवल सामान्य खबरें ही लिखनी पड़ती हैं जबकि विशेषीकृत रिपोर्टर को अपने विषय-क्षेत्र की घटनाओं, मुद्दों व समस्याओं का बारीक विश्लेषण करके उसका अर्थ भी स्पष्ट करना होता है।<br>• बीट की रिपोर्टिंग के लिए संवाददाता में उस क्षेत्र के बारे में | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | जानकारी और दिलचस्पी का होना पर्याप्त है लेकिन विशेषीकृत रिपोर्टिंग में सामान्य खबरों से आगे बढ़कर उस विशेष क्षेत्र या विषय से जुड़ी घटनाओं मुद्दों और समस्याओं का बारीकी से विश्लेषण करना आवश्यक है।<br>• बीट रिपोर्टिंग और विशेषीकृत रिपोर्टिंग से संबंधित उदाहरण भी दिए जा सकते हैं। | |
| | (ग) | फीचर एक सुव्यवस्थित सृजनात्मक और आत्मिक लेखन है जिसका उद्देश्य पाठकों को सूचना देने, शिक्षित करने के साथ-साथ मुख्य रूप से उनका मनोरंजन करना होता है।<br>फीचर समाचार की तरह पाठकों को तात्कालिक घटनाक्रम से अवगत नहीं कराता।<br>समाचारों से विपरीत फीचर में लेखक के पास अपनी राय या दृष्टिकोण और भावनाएँ जाहिर करने का अवसर होता है।<br>फीचर लेखन कथात्मक शैली में किया जाता है। | |
| प्रश्न10. | (क) | • कवि का सांसारिक कठिनाइयों से जूझने पर भी इस जीवन से प्यार करना।<br>• संसार और विपरीत परिस्थितियों की परवाह ना करना<br>• उसे संसार का अपूर्ण लगना<br>• अपने सपनों का अलग ही संसार लिए फिरना | (3×2=6) |
| | (ख) | • रचना कर्म का अक्षयपात्र कभी खाली नहीं होता।<br>• रचना कर्म अविनाशी और कालजयी ।<br>• कवि की रचनाएँ हमेशा अमर रहती हैं ।पाठकों को अच्छा संदेश और जीवन में सही मार्ग दिखाती हैं।<br>• बार-बार पढ़े जाने पर भी कविता का रस समाप्त ना होना।<br>• इन्हीं विशेषताओं के कारण रचना कर्म को रस का अक्षयपात्र कहना | |
| | (ग) | • 'विप्लव-रव' से कवि का तात्पर्य क्रांति से है।<br>• क्रांति गरीब लोगों या आम जनता में जोश भर देती है।<br>• गरीब और आम जनता ही शोषण का शिकार होती है।<br>• समाज में क्रांति इन्हीं से आरंभ होती है, इसीलिए यही क्रांति के जनक होते हैं।<br>• क्रांति का आगाज होते ही ये नए और सुनहरे भविष्य के सपने संजोने लगते हैं, जिसकी चमक इनके चेहरे पर स्पष्ट दृष्टिगोचर होना।<br>• इसीलिए छोटे ही क्रांति (विप्लव- रव) के समय शोभा पाते हैं। | |
| प्रश्न11. | (क) | • बच्चों को पतंग का बहुत प्रिय होना<br>• आकाश में उड़ती पतंग देखकर बच्चों के मन का उड़ान भरना<br>• पतंग की भाँति बालमन का ऊँचाइयों को छूने की चाह<br>• आसमान से पार जाने की चाह<br>• पतंग की उड़ान का बच्चों के रंग-बिरंगे सपने के समान होना<br>• बालकों का मन चंचल होना | (2×2=4) |
| | (ख) | • बात भाव है और भाषा उसे प्रकट करने का माध्यम।<br>• बात और भाषा में चोली-दामन का साथ<br>• कभी-कभी भाषा के चक्कर में सीधी बात भी टेढ़ी होना। | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | • मनुष्य का शब्दों के चमत्कार में उलझकर इस गलतफहमी का शिकार होना कि कठिन और नए शब्दों के प्रयोग से अधिक प्रभावशाली ढंग से बात कही जाती है।<br>• भाव को भाषा का साधन बना लेना।<br>• भाव की अपेक्षा भाषा पर अधिक ध्यान दिए जाने के कारण भाव की गहराई समाप्त होना। | |
| | (ग) | तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमता की अच्छी समझ थी क्योंकि 'कवितावली' में उनके द्वारा-<br>• समकालीन समाज का यथार्थ चित्रण<br>• समाज के विभिन्न वर्गों का चित्रण<br>• गरीबी के कारण लोगों द्वारा अपनी संतान तक बेच देने का वर्णन<br>• दरिद्रता रूपी रावण का हाहाकार दिखाना<br>• किसानों की हीन दशा का मार्मिक वर्णन | |
| प्रश्न12. | (क) | उचित स्पष्टीकरण पर उचित अंक दिए जाएँ<br>हम इस कथन से पूर्णतः सहमत हैं क्योंकि -<br>• बाजार किसी का लिंग, जाति, धर्म और क्षेत्र नहीं देखता सिर्फ़ ग्राहक की क्रय-शक्ति देखता है।<br>• उसे इस बात से कोई मतलब नहीं कि खरीदार औरत है या मर्द, हिंदू है या मुसलमान,उसकी जाति क्या है या वह किस क्षेत्र-विशेष से है ।<br>• यहाँ हर व्यक्ति ग्राहक है।<br>• आज जबकि जीवन के हर क्षेत्र में भेदभाव है ऐसे में बाज़ार हर एक को समान मानता है।<br>• बाजार का काम है वस्तुओं का विक्रय,उसे तो ग्राहक चाहिए फिर चाहे वह कोई भी हो।<br>इस प्रकार यह सामाजिक समता की भी रचना कर रहा है | (3x2=6) |
| | (ख) | कहानी के आरंभ में लुट्टन के माता-पिता का चल बसना और सास द्वारा पालन-पोषण किया जाना।<br>कहानी के मध्य में दंगल जीतकर उसका मशहूर पहलवान बन जाना, सुख-सुविधा के सब सामान पास होना, दो जवान बेटों का पिता बन जाना पर पत्नी का स्वर्ग सिधारना।<br>कहानी के अंत में हैजे से दोनों बेटों की मृत्यु और स्वयं भी हैजे का शिकार होकर संसार से चला जाना। | |
| | (ग) | • जाति-प्रथा के बंधन के कारण मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता नहीं होती।<br>• इसी कारण उसे भूखों मरने तक की नौबत आ जाती है।<br>• जाति-प्रथा पैतृक पेशा अपनाने पर ज़ोर देती है, भले ही वह इस पेशे में पारंगत ना हो।<br>• जाति-प्रथा व्यक्ति को पेशे विशेष से बाँधकर रखती है, जो समाज में बेरोज़गारी और भुखमरी का कारण बनता है।<br>आज समाज की स्थिति में परिवर्तन आ रहा है। आज व्यक्ति को अपना पेशा चुनने और बदलने का अधिकार है। | |
| प्रश्न13. | (क) | • संन्यासी की तरह ही सुख-दुख की परवाह ना करना<br>• जीवन की अजेयता के मंत्र की घोषणा करना<br>• बाहर की गर्मी,धूप,बारिश से प्रभावित ना होना | (2x2=4) |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | • धैर्य के साथ प्रतिकूल परिस्थितियों में अजेय जीवन व्यतीत करना<br>• भावनाओं की भीषण गर्मी में भी अजेय रहना | |
| | (ख) | • गाँव के लोगों का किशोर लड़कों की उछल-कूद से चिढ़ना<br>• उनकी वजह से होने वाले सड़क के कीचड़ से चिढ़ना<br>• इंद्रसेना कहे जाने के कारण<br>• भगवान इंद्र से वर्षा की विनती करना<br>• स्वयं को इंद्र की सेना के सैनिक मानना | |
| | (ग) | भक्तिन भोली-भाली,बुद्धिमान, सेवाभाव वाली थी किंतु उसकी भक्ति में कुछ दुर्गुण भी थे,<br>जैसे- पैसों को भंडार घर की मटकी में छुपाकर रखना<br>लेखिका से बेवजह तर्क-वितर्क करना<br>लेखिका से झूठ बोलना<br>शास्त्रों में लिखी बातों की व्याख्या अपने अनुसार करना | |

********